

Participants : Shandil Dr. (Col.) Dhani Ram

an>

Title: Need to include Himachali language in the Eighth Schedule to the Constitution.

डॉ. कर्नल (सेवानिवृत्त) धनीराम शांडिल्य (शिमला) :महोदय, हिमाचल प्रदेश एक प्रगतिशील एवं विकासशील प्रदेश है। इस पहाड़ी राज्य ने आधारभूत संरचना, आधुनिकी प्रौद्योगिकी, शिक्षा, स्वास्थ्य, संचार एवं सामाजिक कल्याण जैसे क्षेत्रों में राष्ट्रीय स्तर के सम्मानजनक कीर्तिमान स्थापित किए हैं, परन्तु विडम्बना है कि हिमाचली पहाड़ी भाषा को राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त नहीं है। मान्यवर, हिमाचली पहाड़ी भाषा 60 लाख हिमाचलियों की भाषा है। इस पहाड़ी भाषा का करीब 500 वर्ष पुराना इतिहास है। राजाओं के राज्य के समय में यह राजकाज की भाषा रही है और कोर्ट कचहरी में भी इसी भाषा के प्रयोग के प्रमाण मिले हैं। पुराने समय के वैद्यक, ज्योतिष के ग्रंथों तथा पौराणिक ग्रंथों के अनुवाद भी हिमाचली पहाड़ी भाषा में मिलते हैं। हिन्दी के हस्तलिखित ग्रंथों में भी हिमाचली कविताएं उपलब्ध हैं। विशाल हिमाचल के गठन के समय भी हिमाचली पहाड़ी भाषा-भाषी क्षेत्र पंजाब से हिमाचल में मिलाए गए थे। पिछले 40 वर्षों में इस भाषा में लगभग 1500 पुस्तकें रची गयी हैं।

मान्यवर, इन तथ्यों के मद्देनजर मेरा केन्द्रीय सरकार से पुरजोर अनुरोध है कि हिमाचली पहाड़ी भाषा को संविधान की 8 वीं सूची में सम्मिलित किया जाये ताकि इस भाषा को गौरवपूर्ण स्थान मिले और प्रदेश के लेखकों व साहित्यकारों को इस भाषा के माध्यम से प्रोत्साहन मिले।